Chatuhshashti Bhairava Namavalih

चतुःषष्टिभैरवनामावलिः

Document Information

Text title : Chatuhshashti Bhairava Namavalih

File name : chatuHShaShTibhairavanAmAvaliH.itx

Category : shiva, nAmAvalI

Location : doc_shiva

Proofread by : Aruna Narayanan

Latest update : December 24, 2021

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

September 24, 2023

sanskritdocuments.org

चतुःषष्टिभैरवनामावलिः

असिताङ्गो विशालाक्षो मार्तण्डो मोदकप्रियः ।
स्वच्छन्दो विघ्नसन्तुष्टः खेचरः सचराचरः ॥ १॥

रुरुश्च क्रोड-दंष्ट्रश्च तथैव च जटाधरः ।
विश्वरूपो विरूपाक्षो नानारूपधरः परः ॥ २॥

वज्रहस्तो महाकायश्चण्डश्च प्रलयान्तकः ।
भूमिकम्पो नीलकण्ठो विष्णुश्च कुलपालकः ॥ ३॥

मुण्डमालः कामपालः क्रोधो वै पिङ्गलेक्षणः ।
उग्ररूपो धरापालः कुटिलो मन्त्रनायकः ॥ ४॥

रुद्रः पितामहाख्यश्च व्युन्मत्तो बटुनायकः ।
शङ्करो भूत-वेतालस्त्रिनेत्रस्त्रिपुरान्तकः ॥ ५॥

वरदः पर्वतावासः कपालः शशिभूषणः ।
हस्तिचर्माम्बरधरो योगीशो ब्रह्मराक्षसः ॥ ६॥

सर्वज्ञः सर्वदेवेशः सर्वभूतहृदि स्थितः ।
भीषणाख्यो भयहरः सर्वज्ञाख्यस्तथैव च ॥ ७॥

कालाग्निश्च महारौद्रौ दक्षिणो मुखरोऽस्थिरः ।
संहारश्चातिरिक्ताङ्ग कालाग्निश्च प्रियङ्करः ॥ ८॥

घोरनादो विशालाङ्गो योगीशो दक्षसंस्थितः ।
चतुःषष्टीरूपधृग्देवो भैरवः स सदाऽवतु ॥ ९॥

"रुद्रयामल" में चौसठ भैरवों का विशेष रूप से कथन हुआ है तथा इनकी चौसठ ही भैरवियां ६४ योगिनियों के रूप में दर्शित हैं । यहां पाठकों के ज्ञान के लिए ६४ भैरवों का नामावली-पाठ प्रस्तुत है- इस नामावली में "कालाग्नि-प्रियङ्कर" नाम

एक साथ है । इसके आरम्भ में "ओं ह्रीं" तथा अन्त में "ह्रीं ॐ" लगाकर इसका पाठ करने से अथवा प्रत्येक नाम का चतुर्थी विभक्ति का एक वचनात्मक रूप बनाकर आदि में "ओं ह्रीं" तथा अन्त में "नमः" पद जोड़कर भी पाठ-पूजा आदि किए जा सकते हैं ।

इति श्रीरुद्रयामले तन्त्रे चतुःषष्टिभैरवनामावलिः समाप्ता ।

Proofread by Aruna Narayanan

Chatuhshashti Bhairava Namavalih

pdf was typeset on September 24, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*